विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 10 से 16 जुलाई 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 07 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

धन सुविधाएं जुटाने का साधन हो सकता है लेकिन वह सुकून का माध्यम कभी नहीं हो सकता है. जीवन में सुकून के लिए करोड़ों की दौलत भी बेकार है. लेकिन अगर संतोष है तो आपकी कम कमाई में भी परिवार में अपार खुशी हो सकती है. सुविधाओं की बजाय सुकून का माध्यम चुनते रहें.

अमरावती जिले की शान,पूर्व लेडी गवर्नर, उच्च विद्याविभूषित डॉ.कमलताई गवई को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

राज के लिए एमवीए से नाता तोड़ेंगे उद्धव

मुंबई मनपा चुनाव की बनने लगी है रणनीति, चुनावी सफलता के लिए कोशिशें शुरू

विदर्भ स्वाभिमान,9 जुलाई

नागपुर/मुंबई- राजनीति में कोई किसी का नहीं होता है और यह उतना ही सच है, जितना सूरज निकलने के बाद अंधेरा नहीं टिक सकता है. महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना तथा मनसे के बीच गठबंधन और उद्धव ठाकरे तथा राज के बीच की एकता के चलते महाविकास आघाड़ी गठबंधन में दरार तय हो गयी है. यही कारण है कि राज्य में आगामी महापालिका चुनाव को ध्यान में रखते हुए शिवसेना का महाविकास आघाड़ी गठबंधन से नाता तोड़ना लगभग तय हो गया है. मुंबई महापालिका चुनाव दोनों ही पार्टियों के लिए जहां उम्मीद की किरण है, वहीं किसी भी कीमत पर शिवसेना और मनसे इस चुनाव को जीतने के लिए पूरी ताकत झोंकने वाली है.

उद्धव ठाकरे शिवसेना की सांसद प्रिया चतुर्वेदी के मुताबिक दोनों भाई साथ रहें और मिलकर चुनाव लड़ें, ऐसी इच्छा महाराष्ट्र की जनता की है और यह दोनों महाराष्ट्र की अस्मिता के मुद्दे को लेकर ही मैदान में उतरने वाले हैं.

वहीं शिवसेना के प्रवक्ता संजय राऊत के मुताबिक शिवसेना तथा मनसे के बीच अभी तक किसी तरह का गठबंधन नहीं हुआ है. दोनों ही पार्टियों में मनपा चुनाव को लेकर भी कोई बातचीत नहीं हुई है. लेकिन दोनों साथ आने के कारण महाविकास आघाड़ी में दरार पैदा होने और शिवसेना द्वारा इससे निकलने की संभावना जताई जा रही है. कुल मिलाकर महाराष्ट्र की राजनीति में आगामी समय में धमाकेदार बदलाव देखने मिल सकते हैं.

केन्द्र सरकार 50 रूपए का सिक्का जारी करेगी, अदालत को बताया

विदर्भ स्वाभिमान,9 जुलाई

नई दिल्ली-नेत्रहीनों के लिए आसानी से पहचान योग्य 50 रुपये या उससे कम मूल्य के सिक्के जारी करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार ने बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट में जवाब दाखिल किया.

केंद्र सरकार ने मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ के समक्ष कहा कि फिलहाल 50 रुपये का सिक्का लाने की कोई योजना नहीं है, क्योंकि आमजन इस मूल्य वर्ग में नोटों को प्राथमिकता देते हैं.

मामले पर सुनवाई के दौरान पीठ ने नोट किया कि मामले में सरकार द्वारा दाखिल हलफनामा रिकार्ड पर नहीं है. अदालत ने रजिस्ट्री को हलफनामा को रिकॉर्ड पर लाने का निर्देश देते हुए सुनवाई स्थगित कर दी.

वित्त मंत्रालय के सिक्का और मुद्रा प्रभाग के अवर सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे में कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने 2022 में एक सर्वे किया था, जिसमें 10 और 20 रुपये की राशि के लिए लोगों द्वारा नोटों को सिक्कों से ज्यादा पसंद किया जाना सामने आया. इसके चलते आगामी दिनों में 50 का सिक्का भी लाया जा सकता है.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 26वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

भ्रष्टाचारियों को जल्द से जल्द होनी चाहिए सजा,तभी कम होगा

कहते हैं कि सौ में से 90 बेईमान,फिर भी मेरा भारत महान.भ्रष्टाचार देश तथा समाज को लगा ऐसा कीड़ा है कि जिस तरह से दीमक लकड़ी को उसके भीतर रहकर खत्म करता है, भ्रष्टाचारी न केवल खुद के लिए बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी खतरा रहता है. एसीबी द्वारा रिश्वत लेते हुए पकड़े गए अधिकारियों की वीडियो बनाते समय उसे ही सबूत मानते हुए अगर उन्हें जल्द से जल्द सजा देने का कार्य किया जाए तो निश्चित तौर पर ऐसे भ्रष्टाचारियों पर अंकुश लगेगा. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इस मामले में न्यायिक प्रक्रिया की ढिलाई के कारण भ्रष्टों को जब न्याय सजा नहीं देता है तो बाकी प्रोत्साहित होते हैं. ऐसे में यह जरूरी है कि अदालत में ऐसे मामले की सुनवाई तेजी से करते हुए भ्रष्टों को सजा देना चाहिए. इससे निश्चित तौर पर बेहतरीन संदेश जाएगा और कानून का डर भी होगा. इससे निश्चित तौर पर भ्रष्टाचार रूपी दीमक को खत्म करने में सफलता मिलेगी. लेकिन जब किसी भ्रष्ट अधिकारी को सजा नहीं होती है तो उसका गलत संदेश जाता है और जो डर बनना चाहिए, वह डर नहीं बन पाता है. इसे रोकने के लिए आजादी के बाद से किए गए सभी प्रयास लगातार विफल ही रहे हैं, इसके लिए सरकार जिम्मेदार है या न्याय प्रक्रिया, यह अलग विषय हो सकता है. लेकिन इतना सच है कि जब तक कार्रव ाई कठोर नहीं हो सकती तब तक किसी भी विषय में सुधार वाला विषय केवल मजाक रहता है. महाराष्ट्र ही नहीं तो समूचे देश में रिश्वत लेते हुए दबोचे गए और अदालतों में कई साल तक मामले चलते रहे औरं कितनों को सजा हुई, इसका गहन अध्ययन करने की जरूरत है. सवाल यह है कि अगर रिश्वतखोरी का मामला प्रत्यक्ष साबित हुआ है, रिश्वत देते हुए पकड़े गए अधिकारी तथा कर्मचारी के मामले में अल्प समय में अगर सजा का प्रावधान किया जाए निश्चित तौर पर कुछ असर पड़ेगा. लेकिन चिंता की बात यह है कि इस तरह के मामले में जितनी तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए, उतनी तेजी से कार्रवाई नहीं हो रही है. यही कारण है कि एसीबी के छापे तथा कार्रवाई के बाद भी भ्रष्टाचारियों की संख्या में किसी तरह की कमी नहीं आ रही है. रिश्वत लेते या देते हुए पकड़े गए अधिकारियों और कर्मचारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं लेकिन इसमें सजा देने के मामले अत्यल्प हैं. भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की कार्रवाइयां भले ही तेजी से चल रही हों, लेकिन भ्रष्टों को जहां तक सजा देने की बात है तो नतीजा बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है.जब आम आदमी इस विभाग को देखता है तो उसे न्याय का एहसास होता है. लेकिन जब उसे पता चलता है कि रिश्वतखोरी के मामलों में दोषी पाए गए लोगों को अभी तक सजा नहीं मिली है, तो उसका विश्वास की गई कार्रवाई से भी हट जाता है और वह इसे भी दिखावा लगता है. न्याय प्रक्रिया को गति देने के साथ भ्रष्टों को सजा देना जरूरी है.न्याय प्रक्रिया को गति देने के लिए पुलिस यंत्रणा को भी ईमानदारी से कार्य करने की जरूरत है.

संवेदनशील हैं जिप सीईओ संजीता महापात्र

क़हते हैं कि पद और कद की महत्ता व्यक्ति के व्यक्तित्व से बढ़ती है. उसमें भी अगर उच्चाधिकार महिला अधिकारी संवेदनशील हो तो निश्चित ही पद की महत्ता और गरिमा बढ़ने के साथ ही लोगों के दिलों में सदैव स्थान बनाने में कामयाब रहती हैं. वे जितनी कर्मठ अधिकारी हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं. यही कारण है कि आदिवासी बहुल मेलघाट जैसे इलाकों के गरीब आदिवासियों को सरकारी योजनाओं का लाभ देकर उनका जीवनस्तर बढ़ाने की दिशा में लगातार प्रयासरत रहती हैं. ईमानदारी के साथ ही काम के प्रति समर्पण की उनकी खूबी की सराहना अधीनस्थों के साथ ही सभी करते हैं. जिला परिषद सीईओ के रूप में उनका कार्यकाल जहां निर्विवाद है, वहीं दूसरी ओर गरीबों, मजदूरों के साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में वे सदैव प्रयासरत रहती हैं. पिछले सप्ताह मेलघाट का औचक निरीक्षण करने के लिए उन्हें कीचड़युक्त रास्ते से गुजरना पड़ा लेकिन आईएएस अधिकारी के साथ ही आदिवासियों और गरीबों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत रहने वाली संजीता महापात्र ने जिस तरह से मेलघाट के लोगों का दिल जीता और यहां शिक्षकों से लेकर ग्राम सेवक तक को जिस तरह से लोगों की सेवा और कार्य करने को कहा, निश्चित तौर पर उसकी जितनी सराहना की जाए, वह कम है. स्पष्टता से कोई बात बोलने की उनकी खूबी निश्चित तौर पर सराहनीय है.

आज के दौर में जहां पद-प्रतिष्ठा से व्यक्ति स्वयं को ऊंचा, बाकी को नीचा समझता है, वहीं संजीता महापात्र किसी की बात को ध्यान से सुनने के साथ ही यथासंभव नियमों के साथ ही उस समस्या का निराकरण करने और हरसंभव सहयोग देने का भावरखते हैं. जिला परिषद के सीईओ के रूप में उनका कार्यकाल जहां बेहतरीन रहा, वहीं इस दौरान ईमानदार अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के साथ ही जहां भी अधीनस्थों को जरूरत पड़ती है, वे पूरी तरह से उनके साथ खड़ी रहती हैं. मेलघाट के दौरे के समय के उनके जारी फोटो आदिवासियों को कल्याण को लेकर उनकी तड़प को उजागर करता है. अमरावती का सौभाग्य है कि उनके जैसे ईमानदार, कर्मठ और बिना भेदभाव के सदैव काम करती हैं. काम को पूजा मानती हैं. विदर्भ स्वाभिमान की ओर से ईमानदार,कर्मठ आईएएस अधिकारी संजीता महापात्र को हार्दिक शुभकामनाएं.

ज़ीवन में सिखाने वाला हर व्यक्ति होता है गुरू

भारतीयसंस्कृति में गुरू को माता-पिता के समकक्ष माना गया है. इसका आदर्श उदाहरण मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम ने भी रखा है. यही कारण है कि भारत में गुरू का अनन्यसाधारण महत्व है. वे जहां जीवन को दिशा देते हैं, वहीं आदर्श गुरू जीवन को तारने का काम करते हैं. गुरूपूर्णिमा पर सभी को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. जीवन में हमारे प्रथम गुरू माता-पिता रहते हैं, जो जीवन को आकार देते हैं. शास्त्रों में गुरू को भगवान से भी बड़ा स्थान दिया गया है. यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में गुरूजनों का महत्व सर्वाधिक है. गौतम बुद्ध लोगों के आदर्श कैसे बने? गुरू का ज्ञान ही जीवन के तमाम अंधेरे को खत्म करता है और जीवन की राह दिखाता है.

पौराणिक कथाओं के मुताबिक जगत गुरु भगवान शिव ने इसी दिन से सप्तऋषियों को योग सिखाना शुरू किया था.आधुनिक दौर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने अध्यात्मिक गुरु श्रीमद राजचंद्र को श्रद्धांजलि देने के लिए भी गुरु पूर्णिमा का दिन ही चना था.गुरु पूर्णिमा का त्योहार भारत ही नहीं बल्कि नेपाल और भूटान में भी बड़े पैमाने पर मनाया जाता है. भारत में गुरू परम्परा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है. और इसे साकार करने के साथ ही शिक्षक के साथ ही जीवन में हर ऐसा व्यक्ति हमारा गुरू हो सकता है, जिसके माध्यम से जीवन में हमें कुछ सीखने का मौका मिला है. गुरू को भगवान से भी बड़ा इसीलिए बताया गया है क्यों कि गुरू ने ही गोविंद यानी भगवान से परिचय कराया. घर में माता-पिता हर बच्चे के प्रथम गुरू होते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा, उनकी आज्ञा का पालन करने का पुण्य शास्त्रों में भी वर्णित है. माता-पिता के बाद शिक्षक जो हमें ज्ञान देकर अंधेरे से उजाले की ओर ले जाते हैं, जीवन को राह दिखाने वाले गुरू ही होते हैं.नेपाल में गुरु पूर्णिमा को शिक्षक दिवस के तौर पर मनाया जाता है, हालांकि भारत में शिक्षक दिवस गुरु पूर्णिमा के दिन नहीं बल्कि प्रत्येक वर्ष पांच सितंबर को मनाया जाता है.रामायण में स्वयं प्रभु श्रीराम ने आदर्श स्थापित किया है. प्रात काल उठि कै रघुनाथ,मातु-पिता गुरू नावहि माथा.बौद्ध धर्म को मानने वाले गुरु पूर्णिमा भगवान बुद्ध की याद में मनाते हैं. इनकी मान्यता के मुताबिक भगवान बुद्ध ने इसी दिन उत्तर प्रदेश के सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था. मान्यता है कि इसके बाद ही बौद्ध धर्म की शुरुआत हुई थी. गुरूपूर्णिमा पर सभी गुरूजनों को नमन,वंदन.

प्राचार्य सुधीर महाजन
पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल,इंदौर.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN 43881

धामणगांव क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही ध्येय

विधायक प्रतापदादा अडसड ने बहाई विकास की गंगा, करोड़ों रूपए के विकास काम हैं क्षेत्र में जारी

विदर्भ स्वाभिमान,9 जुलाई

धामणगांव रेलवे- अमरावती जिले ही नहीं बल्कि समूचे विदर्भ में भाजपा का कमल खिलाने में सबसे बड़ा योगदान धामणगांव रेलवे के अडसड परिवार का है.पिता अरूण भाऊ अडसड के पदचिन्हों पर चलते हुए पुत्र तथा क्षेत्र के दबंग विधायक प्रतापदादा अडसड़ ने भी जनता की अपार लोकप्रियता हासिल की. विकास के साथ ही उच्च शिक्षा तथा युवाओं को रोजगार की दिशा में निरंतर प्रयास हो रहा है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ अपने करीबी संबंधों के आधार पर क्षेत्र में जहां वे करोड़ों रूपए के विकास काम करवा कर रहे हैं, वहीं समाज के हर वर्ग को न्याय देने वाली उनकी अदा को लेकर लाखों मतदाताओं को अपना कीमती वोट सार्थक होने का एहसास करा रहे हैं. भाजपा की मजबूती के साथ ही अड़सड़ पिता-पुत्र द्वारा यहां पर जिस तरह से सर्वांगीण विकास के लिए काम किया जा रहा है, उसकी सराहना सर्व त्रहो रही है. विधायक प्रतापदादा का व्यापक संपर्क और क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनना और उसका निराकरण करने के लिए जिस तरह से प्रयासरत हैं, इन कामों में बहन अर्चना रोठे अक्का, दामाद के साथ ही भाजपा पदाधिकारी और सदस्य जिस तरह से प्रयास कर रहे हैं, उसके चलते धामणगांव ही नहीं बल्कि जिले में भाजपा की ताकत तेजी से बढ़ रही है. मतदाताओं से निरंतर संपर्क के साथ ही क्षेत्रों का दौरा, किसानों की मदद के साथ ही हर वर्ग के लोगों के लिए वे प्रयासरत हैं.

अडसड परिवार है त्यागी

केवल सत्ता ही नहीं बल्कि पार्टी मजबूती के लिए भी अरूणभाऊ अडसड़ के कुशल मार्गदर्शन में परिवार पार्टी के साथ ही जनता की सेवा में भी उतना ही समर्पित रहा है. स्वयं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कई मौके पर इस परिवार के भाजपा की प्रगति में योगदान की सराहना की है. कई बार विधायक रहने के बाद भी अरूण भाऊ की सादगी ने केवल धामनगांव रेलवे बल्कि जिले तथा समूचे विदर्भ में प्रसिद्ध है.पिता के ही पदचिन्हों पर चलते हुए पुत्र विधायक प्रतापदादा अड़सड़,पुत्री अर्चना रोठे अक्का सहित पूरा परिवार भाजपा को मजबूती प्रदान कर रहा है.विदर्भ विकास बोर्ड के अध्यक्ष रहते समय अमरावती से लेकर बुलढाणा तक उन्होंने विकास की गंगा बहाई.विधायक प्रतापदादा अडसड भी विकास तथा जनता के लोकप्रिय नेता के रूप में क्षेत्र में करोड़ों के विकास कामों को मूर्त रूप देकर जनता में अपना स्थान बनाने में कामयाब हो रहे हैं. जनता में परिवार को लेकर अपार सम्मान है और भविष्य में क्षेत्र का नंदनवन बनने की संभावना है.

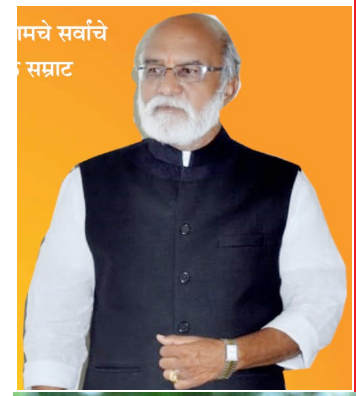

पिता के मार्गदर्शन और जनता के विश्वास को कायम रखकर सदैव कार्य करता रहूंगा.

पाकिस्तान से बातचीत में भाषा नहीं, आतंकवाद को बढ़ावा है बाधा

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने दिया पाक को कड़ा संदेश

विदर्भ स्वाभिमान, 9 जुलाई

नई दिल्ली-कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर एक बार फिर सख्त संदेश दिया है. उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत करने में कोई भाषा की समस्या नहीं है, बल्कि बातचीत तभी संभव है जब दोनों पक्ष शांति के लिए एक साझा नजरिया अपनाएं. थरूर ने स्पष्ट किया कि अगर पाकिस्तान देश में मौजूद सभी आतंकवादी ठिकानों और नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करता है, तभी भारत उसके साथ शांति को ध्यान में रखकर ही बातचीत करता है. लेकिन पाकिस्तान मामले में हमेशा दगाबाजी वाली नौबत पैदा करता है.

जब तक यह स्थिति नहीं बदलती, उसके साथ बातचीत का कोई अर्थ नहीं निकलने की बात भी कही. शशि थरूर इस समय ब्रजील में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि इस प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी देशों में आतंकवाद के खिलाफ भारत के संदेश को सफलतापूर्वक पहुंचाया है, जिनमें कुछ ऐसे देश भी शामिल हैं जहां भारत के प्रति गलतफहमियां हो सकती हैं.

थरूर ने बातचीत में कहा, 'हम अपने वार्ताकारों से यह सवाल करते हैं कि अगर पाकिस्तान सच में निर्दोष है, जैसा वह दावा करता है, तो वह आतंकवादियों को क्यों पनाह देता है? आखिर कैसे ये आतंकवादी पाकिस्तान में आराम से रहते हैं, प्रशिक्षण शिविर चलाते हैं और लोगों को कट्टरपंथी बनाते हैं? वे हथियारों का अभ्यास कैसे कर पाते हैं?'

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत में भाषा बाधा नहीं है. 'हम उनसे हिंदी में बात कर सकते हैं, पंजाबी में बात कर सकते हैं, अंग्रेजी में बात कर सकते हैं. बातचीत में कोई समस्या नहीं है. समस्या यह है कि वे आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाएं, जो उनके देश में फैला हुआ है. जब वे ऐसा करेंगे, तभी हम बातचीत के लिए तैयार होंगे. आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान का प्रयास हमेशा ठीक नहीं रहता है. थरूर ने कहा कि भारत शांति चाहता है और विकास करना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं चाहता. उनका मकसद भारत को अकेला छोड़ना, परेशान और कमजोर करना है. इस कारण बातचीत में मुश्किलें आ रही हैं. इस प्रकार शशि थरूर ने साफ कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाए बिना पाकिस्तान के साथ शांति वार्ता संभव नहीं है और भाषा या संवाद में कोई बाधा नहीं है.

जाहीर ई निविदा सुचना

ग्रामपंचायत कार्यालय कोळंबी पं.स. दर्यापूर जि.प. अमरावती ग्रामपंचायत कार्यालय कोळंबी येथे योजना शीर्षक ०-७४ वर्ष २०२४-२०२५ अंतर्गत ग्रामपंचायत कोळंबी येथील जिल्हा परिषद प्राथमिक शाळा येथे वर्ग खोली बांधकाम करणे करीता उचित वर्गवारीत नोंदणीकृत कंत्राटदार यांचे कडून ई-निविदा मागविण्यात येत आहेत.तसेच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नकारण्याचा अधिकार ग्रा.प. कार्यालय कोळंबी राखुन ठेवत आहेत. संपुर्ण माहीती ही महाराष्ट्र शासनाच्या http://mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर दिनाक ०७/०७/२०२५ ला प्रसिध्द करण्यात येत आहे.

सरपंच ग्रामविकास अधिकारी
ग्रा.प. कोळंबी ग्रा.प. कोळंबी

चक्रराज-भेरूंड राक्षस में हुआ जब भयान युद्ध

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-24, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी-श्रीनिवास स्वामी का चरित्र चित्र-विचित्र है. साथ ही कानों को अत्यंत आनंद देनेवाला रसायन समान है. इसलिए बहुत कुछ सुनने के बाद भी तृप्त नहीं हुए. श्री वेंकटेश्वर ने इस रूप में शेषाचल पर बस कर कौन से लीला-विनोद किए किन-किन को क्या-क्या दिया बताइए कि कृत त्रेता व्दापर युगों में किस क्रम से लीला-विनोद किया. कलियुग में किस विधान में होगा.उस ईश्वर के व्दारा किए गए लीला-विनोद चरित्र कर्णपर्व के रूप में हमें बताइए! हे सूत! हे सत्पूत! धीसमेता! मोद से शौनकादि मुनियों ने वनज नेत्र के चरित को सुनने की इच्छा से प्रश्न करने पर विनीत सूत ने इस रूप में कहा हे मुनीश्वर वर्य ! सुनिए! श्रीवेंकटेश्वर के लीला-विनोदों को. परापर स्वरूपी पंकजाक्ष ने आदि अवतार लेकर राक्षसों का संहार करके सुरेंद्र आदि मुनियों के आश्चर्य से देखने पर धरणी पर भक्तों का उध्दार करने के लिए शेषाचल पर बस गए. धरती पर बसकर श्रीवेंकटेश्वर भक्तों की पूजा से परिपूर्ण हुए और अत्यंत प्रसिध्द हुए. भक्तों के कारण शेषगिरीवास के रूप में सारे लोकों में प्रचलित हुए. सारे भक्तों की पूजा करने से उनकी मनौतियों का रमा समेत प्रीति से पूरा करनेवाले भगवान के रूप में विख्यात हुए.

वे वेंकटेश्वर कलियुग में घन मौन मुद्रा में अर्चा मूर्ति के रूप में बसे. वे अपने चतुर्भजाओं से तथा कर्म नेत्रों के साथ दिखाई देते हैं. भक्तों से सीधे बात नहीं करते हैं. लेकिन स्वप्नों में आकर आवश्यक बातें करते हैं. सपना टूटते समय मायावी बनकर अदृश्य हो जाते हैं. सारे मनुष्यों के मन में अपने पर मोह को पैदा करते हैं. उनसे धन प्राप्त करने के लिए उन के मन में बय को पैदा करते हैं. उनके व्दारा धन वसूल करते हैं. बाद में उनका उध्दार करते हैं. मोक्ष की कामना करते हुए देहापेक्षा को मन से छोड़कर अत्यंत प्रीति से अपनी ही पूजा करनेवाले भक्त जनों को वे साक्षात दर्शन भी देते हैं. वैकुंठ से आये विमान को एक बार उनको दिखाते हैं. फिर वे अदृश्य भी हो जाते हैं. आनंद निलय में विराजमान होकर अर्चा मूर्ति के रूप में भक्तों को दिखाई देते हैं.वे सदा अंतर्विमान में ही रहते हैं.उस विमान को देवताओं को ही दिखाते हैं. मनुष्यों को नहीं दिखाते हैं. बड़ी इच्छा से मनुष्यों से बाह्य पूजा करवा लेते हैं, फिर गुप्त रूप में देवताओं से भी पूजा करवा लेते हैं.वे रमाविभु अपनी शरण में आनेवाले मनुष्यों की मनौतियों को पूरा करते अपनी महिमाओं को दिखाते हैं.अल्प दान को भी बड़ा चढ़ाकर देखते हैं. स्वल्प पूजा से भी संतुष्ट हो जाते हैं. भक्तों को पुण्य और मोक्ष आदि प्रदान करते हैं. उस वेंकटेश का महिमा-गायन करना भक्तों के लिए संभव नहीं है.

महिमावान वेंकटगिरि महिमा को जानकर उपासना करनेवाले पुण्यात्माओं को वे साक्षात्कार होते हैं. मनौती करने पर उन्हें बड़ी दया से वरदान देते हैं.अप्राकृत होते हुए भी प्राकृत रीति से देश के जनों के साथ घूम-घाम कर अपने पर मोह पैदा करके प्रेम दिखाते, उन्हें बुला बुलाकर मनौतियों और भेंटों के साथ अपने पहाड़ पर कब आयें गे.ऐसा उन्हें बताकर बड़ी धीरता से उनके साथ ही रहते उनको अपने पहाड़ पर बुला लेते हैं. तब वे भक्त वेंकटाद्रि पधार कर सकल महोत्सव करते हैं.फिर वेंकटेश्वर उन्हें वरदान और भाग्य प्रदान करते हैं. इस रूप में उनमें विश्वास पैदा करके बार- बार पहाड़ पर आने के लिए उन्हें प्रेरित करते हैं.ऐसे महोत्सवों के समय सकल जन पहाड़ पर आकर पुष्करिणी के जल में स्त्रान करके अभ्दुत ढंग से श्री वेंकटेश्वर की अनेक फूलों के साथ उपासना करते हैं. उनके भक्त उन्हें बहु भक्ष्य भोज्य दोसा लेह्य जल आदि अर्पण करते हैं. उन्हें स्वामी प्रीति से ग्रहण करते हैं. किसी को भी दिखाई नहीं पड़ते हुए ये सारे कार्य स्वामी करते हैं.महान माया बिमान में स्वयं निज रूप में रहते धरती पर सुवर्ण आनंदनिलय में घन शिला विग्रह अर्चा रूप में दिखाई देते हैं . वे स्वामी स्वल्प दान से ही संतुष्ट होकर भक्तों को आयुरारोग्य भाग्यादि विविध वरदान प्रदान करते हैं. उनकी रक्षा भी करते हैं.अति नीच जाति के लोग क्यों न हो भक्ति से शरण में आकर पहाड़ के दर्शन करने मात्र से उन्हें क्षमा करके उनका उध्दार करते हैं.कर्माधिकार नहीं रखने वाली स्त्रियों को शूद्रों को भी वेंकटेश के चरणारविंद के दर्शन से विस्तार से सुस्थिर भक्ति पैदा होती है. इसलिए कलियुग में मूढ़ भक्तो का भी वेंकटेश्वर उध्दार करते रहते हैं.**शेष आगे के अंक में**

सेवा कार्यों से जीवन रहता है खुशियों से गुलजार

वननेष मुक्तांगण का सेवा कार्य सराहनीय, जेल अधीक्षक कीर्ति चिंतामणि का प्रतिपादन,300 छात्रों को मदद प्रदान

विदर्भ स्वाभिमान,9 जुलाई

अमरावती- सेवा कार्यों से मिलने वाला संतोष धन-दौलत से नहीं मांपा जा सकता है. जितना संभव हो, हर मानव को अपने से कमजोर मानव की मदद क रनी चाहिए. मानव सेवा से बड़ी सेवा नहीं है, ऐसे में समाज के हर व्यक्ति को अपने से कमजोर की मदद करना ही मानवता है. सहयोग की कड़ी बढ़ने पर मानवता अपने आप ही बढ़ती है, इसलिए जितना संभव हो, सभी को अपना सामाजिक योगदान देना चाहिए. इस आशय का मत अमरावती मध्यवर्ती केन्द्रीय कारागार की जेल अधीक्षक कीर्ति चिंतामणि ने किया.

वे महात्मा फुले महाविद्यालय पार्वतीनगर में वननेस मुक्तांगण बहुउद्देश्यीय संस्था द्वारा रविवार को आयोजित 300 गरीब और अनाथ बच्चों को स्कूल से जुड़ी सभी सामग्री किट के प्रदान मौके पर प्रमुख अतिथि के रूप में बोल रही थीं. उनके मुताबिक मानव जीवन में परमार्थ को अत्याधिक महत्व दिया गया है. अपने लिए जीने का काम जानवर भी करते हैं. लेकिन इंसान वही कहलाता है जो इंसान के काम आता है. वननेष मुक्तांगण संस्था युवाओं की संस्था है और उनके सामाजिक काम की जितनी सराहना की जाए कम है. इस तरह की संस्थाओं की आज सर्वाधिक जरूरत है.

संस्था के अध्यक्ष अमित बनारसे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मनपा के सहायक आयुक्त भूषण पुसदकर, खोलापुरी गेट के थानेदार दिलीप वडगावकर, मेकअप आर्टिस्ट प्रीति काले, संपादक सुभाष दुबे,व्यंग चित्रकार बबलू यादव, ईसाई फाऊंडेशन की साक्षी उमस,अभिलाष अग्रवाल, समाजसेवी डॉ.अजय बोंडे,संपादक विजय गायकवाड सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. इस कार्य में कमलाकर भारगड, माहेश्वरी महिला मंडल की प्रभा झंवर, जयश्री लोहिया, प्रीति डागा का विशेष योगदान रहा. कार्यक्रम के अध्यक्ष अमित बनारसे थे.संचालन गौरव चारथल ने किया.

कार्यक्रम की सफलतार्थ संस्था के पंकज हादवे, वैष्णवी मोहोकार, शुभम बलखंडे, तन्मय वैतागे,प्रकाश पांडे राहुल बेलसरे, वैभवी मिलखे, गौरव चारथल,वैष्णवी मिल्की, रंजना तायडे, प्रणिता पापलकर, गौरी बोन्डे, अक्षय मोने, सम्यक कडू, दिलीप भातकुलकर,आनंद बागडे सहित सभी सदस्यों ने प्रयास किया. तीन घंटे चले कार्यक्रम की सभी ने सराहना कर योगदान देने की बात कही.

संस्था का काम सराहनीय,हरसंभव सहयोग करूंगा-पुसतकर

सेवा कार्यों से मिलने वाला संतोष धन-दौलत से नहीं मांपा जा सकता है. संस्था का गरीब छात्रों के लिए किया गया कार्य निश्चित ही सराहनीय है. ऐसी संस्थाओं की आज अत्याधिक जरूरत है. वननेष मुक्तांगण बहुउद्देशीय संस्था को हरसंभव सहयोग करने का भरोसा मनपा के सहायक आयुक्त भूषण पुसतकर ने जताया. उनके मुताबिक वर्तमान में युवाओं द्वारा किया जा रहा यह कार्य निश्चित तौर पर न केवल सराहनीय बल्कि अनुकरणीय है. अमित बनारसे के साथ ही प्रकाश पांडेय और सभी साथियों का अभिनंदन भी इस मौके पर उन्होंने किया. डॉ. अजय बों डे ने भी संस्था को हरसंभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया. शानदार कार्यक्रम के दौरान सहयोग करने वाले सभी मान्यवरों का आभार जताया गया

जनसेवा में समर्पित रहते हैं राणा दम्पति

विदर्भ स्वाभिमान
साक्षात्कार

जनसेवा के साथ सभी वर्गों को न्याय दिलाने में करते हैं विश्वास,स्थानीय निकाय चुनाव भी जीतेंगे

विदर्भ स्वाभिमान,9 जुलाई
अमरावती- भाजपा की राष्ट्रीय स्तर की नेत्री पूर्व सांसद नवनीत राणा और बडनेरा के रिकार्ड रचने वाले विधायक रवि राणा जिले के पहले ऐसे राजनीतिक दम्पति हैं, जो राजनीति की तुलना में समाजसेवा को अत्याधिक महत्व देते हैं. पद के साथ ही मानवता की सेवा उनकी जहां खूबी है, वहीं दूसरी ओर जनहित में कुछ भी कर गुजरने का माद्दा रखते हैं. विधायक रवि राणा विकास का विजन रखने के साथ ही पूर्व सांसद और भाजपा नेत्री नवनीत राणा हवाई सेवाओं के साथ ही नई-नई रेलवे गाड़ियां अमरावती से शुरू कराने की दिशा में सदैव प्रयासरत रहती हैं.

बेलोरा हवाई अड्डे से दो सप्ताह पूर्व अमरावती मुंबई सेवा प्रबावित होने पर उन्होंने महाराष्ट्र हवाई अड्डा विकास प्राधीकरण की एमडी स्वाती पांडे के साथ ही एलायंस एअर के अध्यक्ष अमित कुमार से बातचीत करते हुए इस समस्या का समाधान करवाया.

बकौल विधायक रवि राणा-मैने गरीबी का अनुभव किया है, इसलिए मुझे इसका एहसास है. गरीबी और सामाजिक समस्याओं को सदैव करीब से देखने का मौका मिला है, यही कारण है गरीबों,अल्पसंख्यकों के प्रति जहां

प्रेम है, वहीं विधायक के रूप में पूरे विधानसभा ही नहीं बल्कि जिले के विकास और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए प्रयासरत रहते हैं. उनके मुताबिक जनता का विश्वास ही उनके लिए सबसे बड़ी ताकत होता है. उस विश्वास को सदैव बढ़ाने का प्रयास रहता है.सभी को न्याय मिले, इसका सदैव प्रयास करता हूं. दिखावे में कम और काम करने में मेरा अधिक विश्वास रहता है. जनसेवा तथा जिले का सर्वांगीण विकास ही मेरा उद्देश्य है.समय के साथ बदलाव की बात स्वीकारते हुए उन्होंने कहा कि आज भी राज्य की राजग सरकार सभी को न्याय दिलाने के लिए काम कर रही है.मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस लोकप्रीय नेता के साथ ही जनता को समझने वाले नेता हैं. सरकार के कामों से सभी खुश हैं. यही कारण है कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी जिले में अपार लोकप्रियता हासिल करेगी.भाजपा तथा युवा स्वाभिमान पार्टी बेहतरीन प्रदर्शन करने का विश्वास जताया.वह अपने गुणों और कार्यों से समाज को एक सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करने की बात भी राणा दम्पति ने कही.

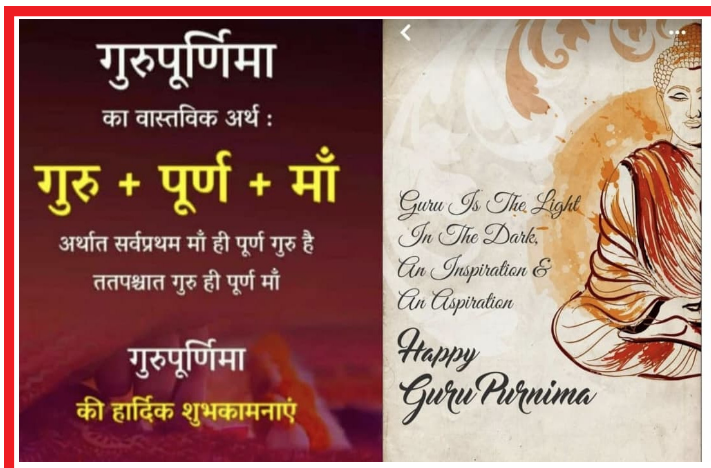

ज़ीवन में जिनसे सीखने का मौका मिले, माता-पिता और गुरूजनों के चरणों में नमन,वंदन, सभी को गुरूपूर्णिमा की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएँ.

शुभेच्छुक
सुधीर महाजन तथा परिवार
प्राचार्य, पोद्दार इंटरनेशल स्कूल,इंदौर.राष्ट्रीय स्तर के प्रेरणादायी वक्ता.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम
संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN/2010/43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

लगातार बारिश से नदी छलकी, तालाब,नाले भी हुए लबालब

पेड़ गिरकर कहीं रास्ता हुआ जाम,किसान परेशान

विदर्भ स्वाभिमान, 9 जुलाई

अमरावती/अंजनगांव सुर्जी- जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार जारी बारिश के कारण जलजले वाली स्थिति देखी जा रही है. जिले के विभिन्न तालाब, नदी और नाले में जहां पानी भर गया है, वहीं पूर्णा बांध प्रकल्प के कुछ गेट खोलने की नौबत आयी है. शहर की प्यास बुझाने वाले अप्पर वर्धा बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ा है और अन्य तालाबों में भी पानी का समुचित भंडार हुआ है. मौसम विभाग ने आगामी दो दिन जोरदार बारिश की चेतावनी दी है. इसके चलते लोगों का ध्यान इस पर लगा है.

तहसील में तीन दिनों से लगातार बारिश शुरू है, इससे लोगों का कामकाज प्रभावित हो रहा है. लोग अपने घरों में ही कैद हो गए हैं. लगातार बारिश के कारण किसानों के साथ ही अन्यों का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है. पथ्रोट में कल सुबह से लगातार रिमझिम बारिश शुरू रहने के कारण किसानों को नुकसान हो रहा है. बैगन और गोभी की फसल को नुकसान होने की जानकारी मिली है.

खाली प्लाट बने तालाब-शहर में लगातार जारी बारिश के कारण कई कॉलोनियों में खाली प्लॉट तालाब बन गए हैं. इससे लोगों में स्वास्थ्य को लेकर चिंता है. पहले ही शहर में डेंगू के मरीज मिल रहे हैं, ऐसे में जलजमाव से मच्छर बढ़कर स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो गया है. क्षेत्र के विभिन्न प्लॉटों में जमा पानी के कारण बीमारियों के खतरे को लेकर शहरवासियों में चिंता व्याप्त है. समुचित कदम उठाने की मांग हो रही है.

मासिक भजन अमृत में झूम उठे भक्त

श्री रामदेव बाबा उत्सव समिति हर माह के पहले रविवार को करती है आयोजन

विदर्भ स्वाभिमान,9 जुलाई

अमरावती- स्थानीय श्री रामदेव बाबा उत्सव समिति, अमरावती द्वारा इस वर्ष हर माह के प्रथम रविवार को भजन अमृत का आयोजन किया जा रहा उसी श्रेणी में इस मई महीने के प्रथम रविवार को भी भजन अमृत का आयोजन स्थानीय श्री रामदेव बाबा मंदिर, राजापेठ में शाम 5 से 7 बजे तक किया गया था.जिसमें श्री रामदेव बाबा उत्सव समिति के सदस्यों ने एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति दी. जिसमें श्री रामदेव बाबा को पूरी तरह रिझाने में उपस्थित भक्त मग्न हो गए. भजन पश्चात बाबा की आरती की गई फिर भक्तों में नाश्ते का वितरण किया गया.

इस आयोजन के आरती और प्रसाद यजमान ब्रिजमोहन मालू लातूर निवासी थे. इस आयोजन में श्याम अट्टल, विवेक गुप्ता, अधि. कुशल करवा, निर्मल बजाज, सीए उज्ज्वल बजाज, योगेश करवा, रजत जाजू, अधि. आशीष बजाज, नितेश भट्टड़, पंकज अग्रवाल, नितिन जाजू, डॉ सारंग तापड़िया, मनोहर भूतड़ा, रमेश मालानी, नंदलाल सारडा, सर्वेश मालानी, आनंद सारडा, निलेश चांडक, डॉ नंदकिशोर करवा, निलेश भूतड़ा, माणकलाल सोमानी, सुरेन्द्र श्रोती, पुखराज बोहरा, दिलीप सारडा, आनंद सारडा, आशीष जैन, प्रमोद राठी, श्रीकांत अट्टल, पवन कलंत्री, सीए धीरज सारडा, ओम छायल,श् सागर गुप्ता, कल्पेश भट्टड़, पल्लव टवानी, अमित झंवर, परमानंद राठी, प्रवीण करवा, अमित साबू, सुनील राठी, हरिराम चौधरी, जय जोशी, संतोष हेडा, घनश्याम बाहेती, स्वप्निल राठी, सुरेश करवा, डॉ गोकुल सारडा, सचिन राठी, मनीष सोमानी, दीपेश लढ्ढा, प्रीत सोमानी, जय जोशी, लक्ष्मीकांत खंडेलवाल, विजय जोशी, आदित्य सारडा, खुशाल कलंत्री, संतोष राठी, किशोर गट्ठाणी, राजेश हेडा, जयंत जाजू, पंकज गांधी, अजय राठी, जय करवा, रजनी राठी, नेहा राठी, सोनम जाजू, प्रेरणा सादानी, पुष्पा बजाज, कोमल सोनी, सुनीता सोनी, रचना राठी, चंदा भूतड़ा, कीर्ति चांडक, उर्मिला गांधी, मेघा चांडक, अरूणा राठी, सावित्री लढ्ढा, कल्पना श्रोती, सरिता सोमानी, सुचिता भूतड़ा, सुषमा भूतड़ा, एकता लढ्ढा, निशा जाजू, संतोष सारडा, कंचन चांडक, शारदा पवार, वैशाली चांडक, रजनी राठी, मंजू राठी, शारदा पवार,स्नेहल सोमानी, सुनीता बाहेती, टीना जोशी, दिव्या मोहोकार , मंदिर व्यवस्थापक दीपक गाढ़वे आदि उपस्थित थे.श्री रामदेव बाबा उत्सव समिति ने यह मानस भी किया है कि प्रत्येक महीने के प्रथम रविवार को शाम 5 से 7 भजन करेंगे.

गुरूवार 10 से 16 जुलाई 2025

मेष- अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

वृषभ-नाहक किसी के साथ विवाद से बचें . वाहनादि के साथ भाग्य इस सप्ताह साथ देगा. मेहमानों का आगमन होकर घर में खुशी का माहौल रहेगा. अपने काम पर विशेष ध्यान देना आपके लिए बेहतरीन रहेगा.

मिथुन-यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-स्वास्थ्य संबंधी समस्या परेशान कर सकती है. स्वास्थ्य पर ध्यान दें और अधिक दौड़धूप से बचने का प्रयास करें. वाहन संभालकर चलाएं.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

ममता की मूरत हैं मातोश्री डॉ.कमलताई गवई

जन्मदिन 13 जुलाई पर विशेष, सादगी करती है सभी को प्रभावित

सम्पन्नता में भी कोई विनम्रता की प्रतिमूर्ति कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण हम सभी के लिए माऊली समान डॉ. कमलताई गवई हैं. माऊली का 83 वां जन्मदिन 13 जुलाई को है. इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं.पूर्व राज्यपाल, राष्ट्रीय स्तर के नेता पूर्व सांसद रा.सू. उर्फ दादासाहब साहेब गवई की धर्मपत्नी के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश की मातोश्री की सादगी निश्चित तौर पर हर व्यक्ति को प्रभावित करती है. डॉ.कमलताई गवई ने अत्यंत विपरीत स्थितियों में भी उनका छाया के रूप में साथ दिया और संभालने का काम किया. राष्ट्रीय नेता दादासाहब गवई के जाने के बाद बिना हिम्मत हारे उन्होंने उनके सेवा कार्य को पूरे उत्साह के साथ संभाला, बल्कि उनकी जनहितकारी नीतियों पर चलते हुए जनसेवा का नया आदर्श भी स्थापित किया.

आज की स्थिति में भी सभी के लिए माऊली डॉ.कमलताई गवई भूमिका निभा रही है. विपश्यना केंद्र एवं उसकी सभी जिम्मेदारी में व्यस्त रहने के बाद भी महानगर ही नहीं तो जिले भर में कार्यकर्ताओं के कार्यक्रमों में उत्साह के साथ उपस्थिति रहती है. समाजसेवा में स्वयं को झोंकने वाले डॉ. गोविंद भाऊ कासट मित्र मंडल के विभिन्न सामाजिक कार्यों में सहभागिता करते हुए समाज को अपना मार्गदर्शन दे रही है. इस दौरान उनका उत्साह अन्य को प्रेरणा देने का काम करता है. उनकी सादगी, अपनापन किसी को भी बिना प्रभावित

किए नहीं रहता है.

हर कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से जिस तरह का उत्साह और आनंद पैदा होता है इसका अनुभव हम लोग कई वर्षों से कर रहे हैं. पूर्व लेडी गवर्नर के पद से सम्मानित रहने के बाद भी उनकी सादगी हर कार्यक्रम में अलग ही छाप डालने का कार्य करती हैं. वे जिस कार्यक्रम में सहभागी होती हैं, उसे कार्यक्रम की गरिमा अपने आप बढ़ जाती है.

3 साल पहले आनंदवन के प्रमुख डॉ. विकासभाऊ आमटे के अमृत महोत्सव वर्ष में डॉ. गोविंदभाऊ कासट, डॉ.कमलताई गवई, मैं कई बार वरोरा स्थित आनंदवन जाने का मौका मिला. कई स्थानों पर हम साथ में रहे ऐसे समय मां जैसी ममता का अनुभव हम सभी ने किया. घर से ही सभी के लिए टिफिन लाने से लेकर सभी की चिंता तक खिलाने का कार्य उन्होंने मातृवत किया. जिस तरह से आत्मीयता से आग्रह करती हैं, आज के दौर में इस तरह की आत्मीयता बहुत कम देखने में मिलती है. सामाजिक कामों के अलावा राजनीति पर बातचीत करते समय पुराने कई प्रसंगों को वे बताती हैं. इन प्रसंगों को बताते समय भी पूरी तरह से राम जाती है. उनके साथ लंबे समय तक रहने का मौका कई बार हम सभी को मिला है, इसमें गोविंद भाऊ कासट, समाजसेवी तथा भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी सुदर्शनजी गांग, प्रदीपभाऊ जैन और स्वयं मैं भी इसका अनुभव रखता हूं. उनके साथ रहते समय मां के साथ रहने की अनुभूति हम लोग सदैव करते हैं. स्व. दादासाहब गवई के बाद जिस तरह से डॉ.कमलताई गवई ने पूरे परिवार को संभाला और सामाजिक तथा राजनीतिक जिम्मेदारी को पूरा किया वह अपने आप में किसी आदर्श उदाहरण से कम नहीं है. 3 साल पहले उनके जन्मदिन पर डॉ. कासट मित्र मंडल द्वारा उन पर किताब का प्रकाशन किया गया. मातोश्री के स्वभाव की ममता जहां सभी को प्रभावित करती है, वहीं दूसरी ओर सम्पन्नता में भी विनम्रता लोगों के दिलों में जगह बनाने में भूमिका निभाती हैं. उससे ही सही मायने में धम्म के आधार पर जीने वाले तथा समाज का कर्ज उतारने का निरंतर प्रयास करने वाली ताई को जन्मदिन की अनंत हार्दिक शुभेच्छा. वे स्वस्थ रहें, प्रसन्न रहे और हम सभी का मार्गदर्शन सदैव करते रहें, यही कामना.

सुदर्शन गांग, सुभाष दुबे
बडनेरा, अमरावती.

अमरावती जिले की शान, विद्वता के साथ ही सम्पन्नता में भी विनम्रता की प्रतिमूर्ति,लेडी गवर्नर

डॉ.कमलताई रा.गवई

को जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय

हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

आनंद परिवार,विदर्भ स्वाभिमान,डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल,अमरावती.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास – मो. ९९७५२७७१९९

दुग्धपूर्णा

हळवीशी हाक
कुणाला कुणाची
फुले प्राजक्ताची
अलवार
तृष्णेच्या हाकेला
उत्तरली काया
तृप्तीची ही माया
खरीच ती

पुरूषोत्तम पाटील

तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा

दुग्धपूर्णा

राजकमल चौक, अमरावती